Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 18 फरवरी, 2023

एयरो इंडिया 2023

एयरो इंडिया 2023 का आयोजन **13 फरवरी से 17 फरवरी, 2023** तक **येलहंका, बेंगलुरु के वायु सेना स्टेशन में किया गया है** । रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह **अब तक का सबसे बड़ा आयोजन था** और **इसमें 98 देशों की भागीदारी देखी गई है** । इस वर्ष की थीम **'द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटीज़'** है तथा प्रमुख उद्देश्य एयरोस्पेस और रक्षा क्षमताओं में भारत की वृद्धि को प्रदर्शित करना है। कार्यक्रमों में रक्षा मंत्रियों का **कॉन्क्लेव, CEO राउंड टेबल, मंथन स्टार्ट-अप इवेंट, और बंधन समारोह (व्यावसायिक संस्थाओं के बीच साझेदारी बनाने और नवीनीकृत करने हेतु), एयर शो (जनता के लिये खुला)** शामिल थे, जिसमें हवाई प्रदर्शन मुख्य आकर्षण थे। भारत में एक निजी कंपनी द्वारा पहले यात्री विमान के निर्माण और संयोजन हेतु **गोपालन एयरोस्पेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा चेक गणराज्य के ओमनीपोल** के बीच समझौता ज्ञापन भी शामिल है।

और पढ़ें.. एयरो इंडिया 2023

वाष्पशील पदार्थ

वाष्पशील वे तत्त्व अथवा यौगिक होते हैं जो **अपेक्षाकृत कम तापमान पर ठोस या तरल अवस्था से वाष्प में परिवर्तित हो जाते हैं।** सबसे आम वाष्पशील **कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, अमोनिया, हाइड्रोजन, मीथेन, सल्फर डाइऑक्साइड और जल हैं।** हाल के अध्ययन के अनुसार, **कुछ प्रसिद्ध वाष्पशील पदार्थ आंतरिक सौर प्रणाली से परे उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे कि जस्ता एक वाष्पशील पदार्थ है** , जो बाह्य सौर मंडल में क्षुद्रग्रह बेल्ट के बाहर उत्पन्न हुआ है। बाह्य सौर मंडल से पदार्थों के योगदान के बिना पृथ्वी में वाष्पशील की सांद्रता कम होती, जिससे ग्रह पर जल की समस्या बनी रहती और संभवतः जीवन को बनाए रखना असंभव होता। **पृथ्वी के जल के स्रोत के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले जस्ता और अन्य वाष्पशील तत्त्वों की उच्च सांद्रता वाले पदार्थों में पानी प्रचुर मात्रा में होने की संभावना है।** हालिया एक अध्ययन में, शोधकर्त्ताओं ने आंतरिक सौर मंडल के उल्कापिंडों, गैर-कार्बनयुक्त उल्कापिंड और बाह्य सौर मंडल से कार्बनयुक्त उल्कापिंड की जाँच की। भले ही **कार्बन युक्त बॉडीज़ पृथ्वी के द्रव्यमान का लगभग 10%** हैं, **लेकिन इनका इस ग्रह पर मौजूद जस्ता में लगभग 50% योगदान है।**

वर्ष 1987 की तुलना में जापानी द्वीपसमूह की संख्या अब दोगुनी:

जापानी द्वीपसमूह, जो यूरेशिया के तट से दूर स्थित है, में **अब 14,125 द्वीप हैं, जो 1987 के आधिकारिक आँकड़े 6,852 से दोगुना है।**

सर्वेक्षण में **संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि** द्वारा परिभाषित **'द्वीप'** की परिभाषा का उपयोग किया गया था। इसमें कहा गया है कि एक द्वीप **"भूमि का प्राकृतिक रूप से निर्मित क्षेत्र है, जो जल से घिरा हुआ है तथा जो उच्च ज्वार में भी जल से ऊपर रहता है।"**

सर्वेक्षण में केवल उन्हीं द्वीपों का चयन किया गया **जिनकी परिधि 100 मीटर या उससे अधिक** है।

[//](#)

द्वीपों की संख्या में वृद्धि के पीछे का कारण विवर्तनिक प्लेट संचलन हो सकता है, जापान में **वर्ष 2011 तोहोकू भूकंप (जिसमें कुछ छोटे द्वीप हट गये अथवा जुड़ गए)** या **जलरेखा के ठीक ऊपर भूमि के छोटे टुकड़े द्वीपों के रूप में दिखाई दे सकते हैं, जब कोई उपग्रह से इलेक्ट्रॉनिक तस्वीर** लेता है।

समुद्र स्तर में वृद्धि के साथ, कई द्वीप भविष्य में लुप्त हो जाएंगे।

जापान विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप राष्ट्र है। हालाँकि, **जापान की आबादी चार द्वीपों पर केंद्रित** है जिन्हें **'होम आइलैंड्स'** के रूप में जाना जाता है - **होन्शू, होक्काइडो, क्यूशू** और **शिकोकू।**

और पढ़ें.... [कुरील द्वीप समूह](#)

लावणी लोक नृत्य

हाल ही में, लावणी के कई वरिष्ठ कलाकारों ने **लावणी के नाम पर अश्लील प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने की माँग** की है। लावणी महाराष्ट्र की एक **पारंपरिक लोक-कला** है जिसमें **महिला नर्तक चमकीले रंगों, मेकअप और घुँघरू में नौ गज लंबी साड़ी पहनकर** लाइव दर्शकों के सामने एक मंच पर **ढोलक की थाप पर प्रदर्शन करती हैं।** लावणी शब्द **'लावण्या' या सुंदरता** से आया है।

18वीं शताब्दी के **पेशवा काल में** इस लोक-कला ने **लोकप्रियता** हासिल की थी। परंपरागत रूप से इस लोक-कला का प्रदर्शन **राजाओं या सामंतों के सामने** और युद्ध विराम के दौरान **थके हुए सैनिकों के मनोरंजन के लिये** आयोजित किया जाता था।

भारत के राज्यवार प्रसिद्ध लोकनृत्य

राज्य	**भारत में लोक नृत्यों की सूची**
आंध्र प्रदेश	विलासिनी नाट्यम, भामाकल्पम, वीरनाट्यम, कोलाट्टम
अरुणाचल प्रदेश	बुइया, चलो, वांचो, पोनुंग, पोपिर
असम	बिहू, बिछुआ, नटपूजा, महारास, कलिगोपाल, बागुरुम्बा, नगा नृत्य, खेल गोपाल
बिहार	जटा-जतिन, झिझिया
छत्तीसगढ़	गौर मारिया, राउत नाच, वेदमती, कापालिक
गुजरात	गरबा, डांडिया रास, भवई
गोवा	तरंगमेल, कोली, फुगड़ी, समयी नृत्य
हरियाणा	झूमर, फाग, डैफ
हिमाचल प्रदेश	झोरा, झाली, धमन, छपेली
जम्मू और कश्मीर	रउफ, कुद दंडी नच
झारखंड	अग्नि, झूमर, जननी झूमर, पाइका, फगुआ
कर्नाटक	यक्षगण, हुत्तरी, करगा
केरल	ओट्टम थुल्लल, कैकोट्टिकली
महाराष्ट्र	लावणी, नकटा, कोली, लेजिम, गफा, दहिकला दशावतार
मध्य प्रदेश	जवारा, मटकी, आड़ा, खड़ा नाच, फूलपति, सेलालार्की, सेलभडोनी
मणिपुर	डोल चोलम, थांग ता, लाई हराओबा, पुंग चोलोम
मेघालय	नोंगक्रेम, लाहो
मिज़ोरम	चेराव नृत्य, खुल्लम, चैलम, जंगतालम
नागालैंड	रंगमा, जेलियांग, बांस नृत्य
ओडिशा	सावरी, घुमारा, पैंका,
पंजाब	भांगड़ा, गिद्दा, डफ, धमन, भांड
राजस्थान	घूमर, चक्री, गणगोर, झूलन लीला, झूमा
सिक्किम	सिंघी चाम या हिम सिंह, याक चाम
तमिलनाडु	कुमी, कोलट्टम, कवाड़ी
त्रिपुरा	होज़ागिरी
उत्तर प्रदेश	नौटंकी, रासलीला, कजरी, झोरा, चैपली
उत्तराखंड	गढ़वाली, कुँमायूँनी, कजरी, झोरा, रासलीला

और पढ़ें...[भारतीय शास्त्रीय नृत्य]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-18-february-2023